संक्षिप्त परिचय

प्रोफेसर (डॉ0) भरत राज सिंह,

महानिदेशक,'स्कूल ऑफ मैनेजमेन्ट साईन्सेस, तकनीकी परिसर, लखनऊ'

डा0 भरत राज सिंह की स्कूली शिक्षा सुल्तानपुर व जौनपुर से हुई तथा इन्होनें बी0 एस0 सी0 की डिग्री इलाहाबाद विश्वविद्यालय से 1967 में पूर्ण की। तदोपरान्त तकनीकी में ग्रेजुएट शिक्षा, यांत्रिक संवर्ग में 'सरदार बल्लभ रीजनल कालेज सूरत गुजरात' से 1972 में, पोस्ट ग्रेजुएट, यांत्रिक संवर्ग में 'मोतीलाल रीजनल कालेज इलाहाबाद' से 1988 में व पी0एच0डी0 की उपाधि यांत्रिक संवर्ग में, गौतम बुद्व तकनीकी विश्वविद्यालय, लखनऊ से 2011 में प्राप्त की।

डा0 सिंह प्रारम्भ से ही 'विज्ञान व अन्वेषण' में प्रतिभावान व्यक्तित्व के धनी छात्र रहे तथा इन्हें **1965** में प्रदेश के महामहिम श्री राज्यपाल द्वारा **विज्ञान में अविष्कार** हेतु अवार्ड, प्रदान किया गया था। इसके अतिरिक्त **'1981** में **वेस्ट–आफिसर'** अवार्ड तथा **1994** में भूकम्प कार्य हेतु **समाज श्री** के राष्ट्रीय अवार्ड से मुम्बई में नवाजा गया। इन्हें वर्ष **2014** व **2015** में **लिम्का बुक ऑफ रिकार्ड** में **एअर–ओ–बाइक** तथा **अमेरिका में हाईस्कूल में अध्याय** लागू होने तथा **2012** में अमेरिका की संस्था द्वारा **लाईफ अचीवमेंट अवार्ड**, **2016** में **आब्जर्वर पीस अवार्ड** 2017 में **लिम्का बुक ऑफ रिकार्ड** तथा **2018** में **ए.के.टी.यू. शिक्षा अवार्ड**, से भी सम्मानित किया जा चुका है।

डा0 सिंह का **50 वर्षो** से अधिक का अनुभव प्रशासनिक व शिक्षा के क्षेत्र में रहा है, जिसमें **32 वर्ष** तक भारत सरकार, प्रदेश सरकार के संस्थानों में अभियन्ता स्तर से प्रबन्ध निदेशक स्तर तक सेवारत रहे तथा सेवानिवृत्ति के उपरान्त शिक्षण में पिछले **18 वर्षो** से प्रोफेसर, हेड, डीन, अतिरिक्त निदेशक विभिन्न स्तर पर तथा वर्तमान में **महानिदेशक** के पद पर '**स्कूल ऑफ मैनेजमेन्ट साईन्सेस, तकनीकी परिसर, लखनऊ**' में कार्यरत हैं।

डा0 सिंह नें प्रदेश की विभिन्न परियोजनाओं को नया आयाम दिया और 13–चीनी मिलों, 14–कताई मिलों, बी0 एच0 एल0 जगदीशपुर व वाराणसी जैसी अत्यन्त महत्वपूर्ण व सयमवद्ध परियोजनाओं को समय से पूर्व, पूर्ण कराकर नया कीर्तिमान स्थापित किया ।

शिक्षा जगत में, शुरु से अति 'सूक्ष्म एंव गहन' चिन्तक होने के कारण सेवानिवृत्ति के उपरान्त, पुनः अध्ययन प्रारम्भ किया और पिछले 12–13 वर्षो से विश्व स्तर पर पर्यावरण व वातावरण परिवर्तन की दिशा में अद्वितीय कार्य किया है।

पी0 एच0 डी0 की उपाधि ही, इनके चतुर्थ पढ़ाव का एक उदाहरण है। इन्होंने पर्यावरण की विश्वस्तरीय विभिषिका को कम करने हेतु हाईड्रोकार्बन ईधन के स्थान पर 'हवा से संचालित इन्जन' का आविष्कार किया, जो इनके 2004 से 2010 तक के अथक प्रयास का फल है। इस प्रदूषण रहित इन्जन का छोटे वाहनो में उपयोग से 50–60% कार्बन–उत्सर्जन में कमी का आकलन किया गया है, जो विश्व व्यापी पर्यावरण विभिषिका को नयी दिशा देने में अग्रसर है।

इनके इस शोध की विश्व में अमेरिका, ब्राजील, कनाडा, जर्मनी, ईरान, ईराक, पाकिस्तान, चीन, ताइवान, बुल्गेरिया, थाईलैण्ड, कोरिया आदि देशो में न्यूज मीडिया, रेडियो, दूरदर्शन द्वारा पिछले कई बर्षों से **हवा से चलने वाली बाइक** अत्यन्त चर्चा का विषय बना हुआ है तथा 'भारत सरकार के पेटेन्ट विभाग' द्वारा 13 अप्रैल 2012 को पेटेन्ट भी नोटीफाई हो गया है तथा 28 जुलाई 2020 पेटेंट की सर्टीफिकेट **342731** भी निर्गत कर दी गयी है ।

डा0 सिह लखनऊ के पहले व्यक्ति हैं जो उ.प्र. में सोलर पॉलिसी –2015 के लागू होते ही 5 किलोवाट का अपने घर के छत पर सोलर पी.वी. सयंत्र लगवाकर जनता को प्रेरणा दी और आज भी लोगो को प्रोत्साहित

कर रहे हैं । इन्होने इलेक्ट्रिक व्हीकल को 2013 में छात्र / छात्राओं से तैयार कराकर पूर्व राष्ट्रपति श्री प्रनब मुखर्जी जी को दिखा चुके है और हाईब्रिड चार पहिया वाहन भी बनवा चुके है । अक्षय ऊर्जा के उपयोग के लिये लोगों को प्रेरित कर रहे हैं ।

डा0 सिंह का विशिष्ट शोध कार्य क्षेत्रः पर्यावरण से सम्बनिधत एअर इन्जन, थर्मोडाइनेमिक्स, अप्राकृतिक मैनुफैक्चरिंग, अप्राकृतिक ऊर्जा व संरक्षण आदि है, जिस पर ये निरन्तर कार्यरत है। डा0 सिंह के शोध के, लगभग 151 पेपर्स विश्व स्तर के प्रतिष्ठित जनरल, कान्फेरेन्स, सेमिनार की कार्य सूची में दर्ज हो चुका है। इनके द्वारा **26– किताबें** तथा **29– किताबों में चैप्टर** भी यू0के0, अमेरिका व क्रोसिया से प्रकाशित हो चुकी हैं। इनकी एक किताब – **कैन ग्लेसिअर और आईस मेल्ट बी रिवर्सेड – अमेरिका के 10–12 के पाठ्यक्रम** में पढाई जा रही है ।

डा0 सिंह को विश्वस्तरीय प्रतिष्ठित लगभग **49– जनरल व शोध** संस्थानों नें '**सदस्य व सलाहकार सदस्य**' भी नियुक्त कर रखा है, जिसमें ये निरन्तर योगदान दे रहे है। इनसे प्रतिष्ठित संस्थान एल्सवीयर के साइन्स डारेक्ट, आईमेक, यू0 के0, अमेरिकन इन्स्टीट्यूट ऑफ फिजिक्स द्वारा निरन्तर शोध हेतु सलाह ली जा रही है। अभी इन्हे उ.प्र. विद्युत रेगुलेटरी कमीशन में सदस्य भी नियुकत किया गया है अभी इन्हे उ. प्र. विद्युत रेगुलेटरी कमीशन में सदस्य भी नियुकत किया गया है

(Website: www.brsinghindia.com **email:** brsinghlko@yahoo.com)